RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.c swarajindi- swarajindi-

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

मूल्य: ` 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

पीएम मोदी जाएंगे मणिपुर 8500 करोड़ की देंगे सौगात

कानपुर,शनिवार , 13 सितंबर 2025
वर्षः 02, अंकः 241, पृष्ठः 8+4

इनसाइड बड़ी छावनी में करोड़ों रुपयों की ज़मीन पर भू-माफ़ियाओं का कब्ज़ा » Pg 11

» Pg12

दुबई में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर गहराया गतिरोध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» लोगों ने कहा कि ये भारत के शहीदों की कुर्बानी बनाम क्रिकेट का तमाशा है

नई दिल्ली। 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 का भारत-पाकिस्तान मुकाबला होना है। लेकिन यह मैच महज़ एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता और शहीदों की कुर्बानी के सम्मान का प्रश्न बन गया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला अभी भी देश की स्मृति में ताज़ा है। निर्दोष पर्यटकों, बच्चों और महिलाओं को गोलियों से भून देने वाली इस वारदात ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया। इसके बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को गहरी चोट दी, लेकिन साथ ही देश ने अपने 20 जवान खोए। इन बलिदानों की टीस आज भी हर भारतीय के दिल में है।

इसी पृष्ठभूमि में जब भारत–पाकिस्तान मैच का ऐलान हुआ, तो देशभर में विरोध की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर #BoycottPakCricket ¥õÚU #PahalgamAttack जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे। क्रिकेट को शहीदों की कुर्बानी से ऊपर रखने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

टिकट इस बार आधे भी नहीं बिके हैं, जबकि आमतौर पर भारत–पाक मुकाबले के टिकट कुछ घंटों में खत्म हो जाते हैं। जनता साफ संदेश दे रही है कि खून सूखा नहीं, तो खेल कैसे हो सकता वहीं, शिवसेना से लेकर समाजवादी पार्टी तक, बीजेपी से लेकर लेफ्ट तक, लगभग हर राजनीतिक धड़ा पाकिस्तान से क्रिकेट का विरोध कर रहा है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी कहा कि जब तक रिश्ते सामान्य न हों, क्रिकेट नहीं होना चाहिए। शहीद परिवारों की पीड़ा और आक्रोश ने इस बहस को और गहरा दिया है।

सरकार और बीसीसीआई की दुविधा समझिए

खेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी, लेकिन बहुपक्षीय टूर्नामेंट्स में भारत हिस्सा लेगा। बीसीसीआई कहता है कि एशियन क्रिकेट काउंसिल के दबाव में टीम को भेजना पड़ा। सवाल उठ रहा है कि जब सिंधु जल संधि तक स्थगित की जा सकती है, तो क्रिकेट को अपवाद क्यों बनाया जा रहा है?

विश्लेषक मानते हैं कि यह मैच भारत को अरबों का राजस्व, करोड़ों दर्शक और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सॉफ्ट पावर देता है।

लेकिन दूसरी तरफ तर्क है कि यदि अमेरिका–रूस जैसे देश ओलंपिक का बहिष्कार कर सकते हैं, तो भारत भी राष्ट्रीय सम्मान को प्राथमिकता दे सकता है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने जताया विरोध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। अब सवाल है — क्या खून और क्रिकेट साथ बह सकते हैं?

14 सितंबर को जब टीम इंडिया मैदान पर उतरेगी, तो स्कोरबोर्ड पर सिर्फ रन और विकेट नहीं, बल्कि एक गहरी नैतिक कसौटी भी दर्ज होगी। यह मुकाबला महज़ बैट और बॉल का नहीं, बल्कि इस सवाल का है कि क्या भारत अपने शहीदों की कुर्बानी को पैसे और मनोरंजन से ऊपर रखेगा।यह मैच इतिहास में सिर्फ भारत–पाक क्रिकेट नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद और कूटनीति की टकराहट का प्रतीक बनकर दर्ज होगा।

मिर्जा ग्रुप पर आयकर विभाग की 70 घंटे से जांच जारी

» 150 अफसरों की टीम कर रही 50 ठिकानों पर जांच पड़ताल

» उन्नाव से कानपुर तक हड़कंपः मिर्जा इंटरनेशनल पर आईटी रेड में बड़ी टैक्स चोरी बेनकाब

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

उन्नाव/कानपुर।कानपुर की प्रमुख लेदर कंपनी मिर्जा इंटरनेशनल ग्रुप पर इनकम टैक्स विभाग की बड़ी कार्रवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी है। करीब 70 घंटे से अधिक समय से चल रही इस छापेमारी में विभागीय टीम को बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के प्रमाण मिले हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मिर्जा ग्रुप के रेड टेप ब्रांड और चमड़ा इकाई सहित करीब 50 ठिकानों पर आयकर विभाग ने एक साथ छापेमारी की है। इस दौरान 150 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी जांच में जुटे हुए हैं। छापेमारी का मुख्य फोकस कंपनी की टर्नओवर, बोगस बिलिंग और फर्जी लेनदेन की पड़ताल है।जांच के दौरान विभाग ने 5 से अधिक लैपटॉप और कई पेन ड्राइव सील किए हैं। माना जा रहा है कि इनमें कंपनी की फर्जी अकाउंटिंग और टैक्स चोरी से संबंधित अहम डेटा मौजूद है। टीम अभी तक कंपनी के बैंक ट्रांजैक्शन, एक्सपोर्ट–इंपोर्ट डील और सप्लाई चेन से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

छापेमारी का केंद्र उन्नाव जिले के औद्योगिक क्षेत्र दही और अकरमपुर की फैक्ट्रियां बनी हुई हैं, वहीं कानपुर समेत कई अन्य शहरों में भी टीम सक्रिय है। आयकर विभाग ने कंपनी से जुड़े कई डमी फर्म और शेल कंपनियों के जरिए किए गए लेनदेन की भी जांच शुरू कर दी है।

छापेमारी से कारोबारी जगत में हड़कंप

मिर्जा इंटरनेशनल ग्रुप लेदर और फुटवियर सेक्टर की एक बड़ी कंपनी है। रेड टेप ब्रांड के जरिए कंपनी देश और विदेश में पहचान रखती है। आयकर विभाग की इस कार्रवाई से लेदर इंडस्ट्री और कारोबारी जगत में हड़कंप मच गया है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में ही करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी के संकेत मिले हैं। छापेमारी पूरी होने के बाद विभाग इसकी आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक करेगा।

नौकरी पर तलवार: टीईटी अनिवार्य होने के बाद दिन-रात तैयारी में जुटे

सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने यूपी बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों की नींद उड़ा दी है

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों की नींद उड़ा दी है। अब कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले हर शिक्षक के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना जरूरी कर दिया गया है। इस आदेश के बाद शिक्षकों का बड़ा वर्ग राहत पाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय तक गुहार लगा चुका है, लेकिन उन्हें यह भी आभास हो गया है कि राहत मिलने की संभावना बहुत कम है। लिहाज़ा अब शिक्षक विरोध छोड़कर सीधे तैयारी में जुट गए हैं।

कई शिक्षक अपने-अपने घरों को ही परीक्षा तैयारी केंद्र बना चुके हैं। स्कूलों में पढ़ाने के बाद शाम को घंटों तक किताबों में डूबे रहना उनकी मजबूरी बन गया है। व्हाट्सएप ग्रुपों पर शिक्षक आपस में सामान्य ज्ञान, गणित, हिंदी और अन्य विषयों से संबंधित प्रश्नोत्तरी व नोट्स साझा कर रहे हैं।

कई शिक्षक तो यहां तक कह रहे हैं कि

नौकरी बचानी है तो पढ़ाई ही एकमात्र रास्ता है।

पांच साल से ज्यादा सेवा वाले शिक्षक सबसे बड़ी चुनौती में

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि 5 वर्ष से अधिक है, उन्हें हर हाल में टीईटी पास करना होगा, अन्यथा सेवा समाप्त हो सकती है। यही नहीं, पदोन्नति के लिए भी टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती उन अनुभवी शिक्षकों के सामने है, जिन्होंने वर्षों तक पढ़ाया तो है लेकिन अब उन्हें परीक्षा की तैयारी करनी पड़ रही है।

जनवरी में हो सकती है परीक्षा

शासन ने 29 और 30 जनवरी को परीक्षा की संभावित तिथियाँ घोषित कर दी हैं। आवेदन प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने वाली है। ऐसे में अब समय बहुत कम बचा है और यह चिंता शिक्षकों के चेहरों पर साफ देखी जा सकती है।विभिन्न शिक्षक संगठनों ने अपने-अपने स्तर पर अपील जारी की है। संगठनों का कहना है कि शिक्षक समय गंवाए बिना सिलेबस के अनुसार तैयारी करें, क्योंकि टीईटी क्वालिफाई करना उतना कठिन नहीं है जितना समझा जा रहा है। यदि शिक्षक गंभीरता से तैयारी करें तो आसानी से पास हो सकते हैं।

शिक्षामित्रों का अनुभव डर बढ़ा रहा

इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सहायक अध्यापक बने शिक्षामित्रों को दोबारा शिक्षामित्र बनना पड़ा था।

इस घटनाक्रम ने हजारों परिवारों को गहरा झटका दिया था। यही वजह है कि इस बार शिक्षक किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहते। उनका मानना है कि अगर थोड़ी भी लापरवाही की तो नौकरी से हाथ धोना तय है।

विरोध नहीं, मेहनत ही विकल्प

अधिकांश शिक्षकों की राय है कि आंदोलन और विरोध से ज्यादा फायदा नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट अपने आदेश में बदलाव की संभावना नहीं रखता। इसलिए मेहनत ही एकमात्र रास्ता है। एक शिक्षक ने कहा—हमारे पास अब सिर्फ दो विकल्प हैं—या तो परीक्षा पास करें, या फिर नौकरी गंवाने का जोखिम उठाएँ। इसलिए पढ़ाई ही हमारी ढाल है।

शर्मनाक — प्रेम प्रसंग से गैंगरेप केस तक

छह साल के रिश्ते ने खोली साजिश की परतें

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» त्रिलोकी जेल में, पीड़िता ने मजिस्ट्रेटी बयान से किया इन्कार

क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर बताकर पेश किया दूसरा आरोपित, पुलिस कर रही जांच

कानपुर। सीसामऊ थाना क्षेत्र की युवती द्वारा दर्ज कराए गए सामूहिक दुष्कर्म मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मुख्य आरोपित त्रिलोकी शर्मा को पुलिस एक सप्ताह पहले ही जेल भेज चुकी है, लेकिन अब पीड़िता मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज कराने से इन्कार कर रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पीड़िता और आरोपित के बीच पिछले छह साल से प्रेम संबंध थे। युवती की बैंक में नौकरी लगने के बाद त्रिलोकी ने शादी से साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद गहराता चला गया।

पीड़िता का आरोप है कि त्रिलोकी ने उसे झांसा देकर दुष्कर्म किया और इस दौरान अश्लील वीडियो भी बना लिए। इन्हीं वीडियो के जरिए उसने ब्लैकमेलिंग शुरू की और अपने दोस्त वैभव, जिसे पीड़िता क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बता रही है, से भी दुष्कर्म कराया। वहीं पुलिस की जांच में सामने आया है कि कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच में उस नाम का कोई इंस्पेक्टर या दारोगा नहीं है।

अब पुलिस त्रिलोकी के मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगालकर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वैभव वास्तव में कौन है और उसकी भूमिका क्या रही।

इधर, पीड़िता का यह भी आरोप है कि त्रिलोकी की बहन ने उसके अश्लील वीडियो बहनोई और अन्य परिचितों को भेज दिए। इससे युवती की सामाजिक प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्रिलोकी खुद युवती के परिवार के पास विवाह का प्रस्ताव लेकर पहुंचा था, लेकिन परिवार ने शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद मामला और बिगड़ गया।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल मुख्य आरोपित त्रिलोकी जेल में है। पुलिस लगातार पीड़िता को मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज कराने के लिए कह रही है, लेकिन वह तैयार नहीं है। अब पुलिस तकनीकी जांच और अन्य सबूतों के आधार पर केस को आगे बढ़ा रही है।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार की पहल : बदलता हुआ कानपुर

कानपुर नगर निगम की बड़ी उपलब्धि: स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में देशभर में बजाया डंका

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार की कार्यशैली और दूरदृष्टि ने एक वर्ष में कानपुर नगर निगम की तस्वीर बदल दी है। बीते एक साल में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, अवसंरचना विकास और आईटी आधारित नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में जो ऐतिहासिक पहल हुई है, उसका नतीजा अब देशभर में सामने आया है।

भारत सरकार द्वारा आयोजित यूआई-तह्ह (वायु गुणवत्ता इंडेक्स) मूल्यांकन कार्यक्रम में कानपुर नगर निगम को पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। प्रथम स्थान सूरत नगर निगम को मिला, जबकि कानपुर ने अपने प्रयासों से देशभर में अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई। इस उपलब्धि के लिए भारत सरकार ने कानपुर नगर निगम को ?37.70 करोड़ (सैंतीस करोड़ सत्तर लाख रुपये) की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है। यह राशि शहर की वायु गुणवत्ता सुधार और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी परियोजनाओं में खर्च होगी।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार की सक्रियता, पारदर्शी कार्यशैली और टीम भावना ने कानपुर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में यह सफलता न केवल नगर निगम परिवार, बल्कि समस्त कानपुर वासियों के लिए गर्व की बात है।

यह उपलब्धि साबित करती है कि यदि सही दिशा और नेतृत्व मिले तो कानपुर जैसे औद्योगिक शहर भी देश में पर्यावरण सुधार और स्मार्ट विकास का मॉडल बन सकते हैं। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के कार्यभार संभालने के बाद से ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया गया।

स्वच्छता प्रबंधन पर फोकस

110 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था को मजबूत किया गया।
मैकेनिकल रोड स्वीपिंग से 74,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों की सफाई की गई।
वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की क्षमता बढ़ाई गई और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया गया।

पर्यावरण संरक्षण

10.85 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण कर हरित पट्टी विकसित की गई।
2.20 लाख वर्गमीटर में ग्रीन बेल्ट और शहरी वनों का निर्माण किया गया।
औद्योगिक इलाकों और प्रमुख चौराहों पर एंटी-स्मॉग गन स्थापित की गईं।
विशेष सड़क धुलाई अभियान से प्रदूषण कम करने में मदद मिली।

अवसंरचना व यातायात सुधार

13.26 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में पैचवर्क व सड़क मरम्मत कार्य।
शहर में स्ट्रीट लाइटिंग, डिवाइडर निर्माण और चौराहों का सौंदर्यीकरण।
स्मार्ट सिटी मिशन के तहत प्रमुख बाजारों व चौराहों का विकास।

डिजिटल नागरिक सेवाएं

ई-नगर सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप के जरिए कर भुगतान, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र और शिकायत निस्तारण जैसी सुविधाएं अब ऑनलाइन।
24×7 कंट्रोल रूम की स्थापना से त्वरित सेवाएं सुनिश्चित।
कर संग्रह और भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह कैशलेस और पारदर्शी।

अतिक्रमण व जनहित कार्य

1 से 15 अगस्त तक चलाए गए विशेष अभियान में मुख्य मार्गों व बाजार क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।
डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए निरंतर फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव।
नगर निगम द्वारा कई स्वास्थ्य शिविर व जागरूकता अभियान भी चलाए गए।

केडीए: प्रवर्तन जोन-2 में बड़े स्तर पर शमन की कार्रवाई जारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल के निर्देश पर अवैध निर्माणों का किया रहा शमन, राजस्व में होगी बढ़ोतरी

कानपुर। विकास प्राधिकरण (केडीए) की ओर से प्रवर्तन जोन-2 में शमन की प्रक्रिया बड़े स्तर पर चल रही है। पिछले एक माह में कुल 15 मामलों में शमन की कार्यवाही प्रारंभ की गई है, जिनमें से 3 प्रकरणों में शमन स्वीकृत भी हो चुका है। ज्यादातर सील किए गए परिसरों पर तेजी से शमन की कार्रवाई की जा रही है।

प्रभारी जोनल अधिकारी संदीप मोदनवाल ने बताया कि 24 मीटर रोड पर मिश्रित भू-उपयोग से जुड़े मामले भी बड़ी संख्या में सामने आए हैं। इनमें से 4 प्रकरणों में धारा 13 के अंतर्गत कार्रवाई कराई जा चुकी है। आपत्ति और सुझाव प्राप्त होने के बाद इन्हें भी शमन के दायरे में लाया जाएगा।

प्राधिकरण आवासीय परिसरों में चल रही

वाणिज्यिक गतिविधियों और नर्सिंग होम की अनुमति भी शमन के तहत दिला रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह कई ऐसे परिसरों को नोटिस जारी किए गए, जिसके बाद लोगों ने रुचि दिखाते हुए शमन की प्रक्रिया पूरी कराई।

केडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। ज़ोनल प्रभारी लगातार सक्रिय रहते हुए शमन की कार्यवाही करवा रहे हैं। इससे जहां अवैध निर्माण और उपयोग पर रोक लगेगी, वहीं प्राधिकरण को बड़े पैमाने पर राजस्व की प्राप्ति भी होगी।

वक्फ़ की 3 जमीन पर कब्जे का खेल

इंस्पेक्टर सभाजीत मिश्रा गिरफ्तार

» ट्रक से कुचलवाने की धमकी, 5 लाख की रंगदारी भी मांगी

» गेस्ट हाउस और कार्यालय बनाकर लाखों की कमाई का खुलासा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सिविल लाइंस की वक्फ की तीन बीघा जमीन कब्जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। निलंबित इंस्पेक्टर सभाजीत मिश्रा को ग्वालटोली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे पूछताछ के बहाने थाने बुलाया गया था, जहां से उसे जेल भेजने की तैयारी की गई।आरोप है कि सभाजीत ने मोइनुद्दीन आसिफ जाह को जमीन पर पैरवी करने से रोकने के लिए धमकाया। पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी और ट्रक से कुचलवाने तक की कोशिश की।जांच में खुलासा हुआ कि यह जमीन मूल रूप से नवाब मंसूर अली ने शेख फखरुद्दीन हैदर को दी थी। बाद में वक्फ को सौंप दी गई थी। शर्त थी कि देखरेख केवल उसी वंशज के हाथों होगी। लेकिन पट्टे की अवधि खत्म होने के बाद फर्जीवाड़ा शुरू हुआ।

किरायेदारों को लालच और धमकी देकर पावर ऑफ अटॉर्नी अपने पक्ष में करवाई गई। यहां तक कि मृत किरायेदार मुन्नी देवी की जगह दूसरी महिला खड़ी कर 2016 में जाली पावर ऑफ अटॉर्नी बनवा ली गई।

गेस्ट हाउस, कमाई और SIT जांच

जमीन कब्जाकर अखिलेश दुबे और उसके साथियों ने वहां आगमन गेस्ट हाउस और कार्यालय बना लिया।

कई हिस्सों को किराये पर दिया गया, जिससे हर महीने लाखों रुपये की कमाई होने लगी। वक्फ की संपत्ति, जिसे धर्मार्थ कार्यों के लिए उपयोग होना चाहिए था, निजी धंधे का जरिया बन गई।

पीड़ित मोइनुद्दीन आसिफ जाह ने वक्फ बोर्ड और पुलिस आयुक्त से शिकायत की। जांच एसआईटी को सौंपी गई। जांच में सारे फर्जीवाड़े और दस्तावेज़ी हेरफेर सामने आए।

एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर ग्वालटोली थाने में 13 अगस्त को अखिलेश दुबे, उसकी भतीजी सौम्या दुबे, भाई सर्वेश दुबे, जयप्रकाश दुबे, शिवांश सिंह उर्फ पप्पू, राजकुमार शुक्ला और इंस्पेक्टर सभाजीत मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।

सम्पादकीय

मददगार होगी बिहार की प्रक्रिया से सीख

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि उसकी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता सूची विश्वसनीय हो। पिछले दिनों बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान चलाया गया। जिसको लेकर विपक्ष ने कड़ा प्रतिवाद किया और अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती भी दी। बताते हैं कि अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे-बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर-कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है।निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिरोध स्वाभाविक ही है। हाल में तमिलनाडु के द्रमुक मंत्री दुरई मुरुगन तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं कि बिहार में इस्तेमाल की गई ।

वनों के संरक्षण से ही संभव समग्र विकास

पुष्कर जैन

देश-दुनिया में जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानव जीवन और भूमि स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। वैज्ञानिक चेतावनियों व जंगल बचाने के प्रयासों के बावजूद पेड़ कटाई और तेज़ हो गई। कुदरती कारण भी वन नष्ट कर रहे हैं।दुनिया में आज जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की दिशा में पेड़ों और जंगलों की महत्ता की चर्चा जोरों पर है। इसका प्रमुख कारण है कि जलवायु परिवर्तन के चलते संतुलित और समग्र विकास का लक्ष्य समूची दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानवीय जीवन और भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

वास्तविकता यह है कि हर वर्ष दुनिया में एक करोड़ हेक्टेयर जंगल नष्ट हो रहे हैं। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इसका खुलासा किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कीड़े-मकोड़े भी प्रतिवर्ष 3.5 करोड़ हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वैज्ञानिक बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि मानव जाति जैव विविधता के विनाश की ओर अग्रसर है, जबकि यही जैव विविधता हमें अनेक बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।यदि वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक नहीं लगी, तो प्रकृति की लय पूरी तरह से बिगड़ जाएगी और वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को रोक पाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी। वन न केवल हमें गर्मी से राहत प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने, कृषि की स्थिरता को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और जलवायु को संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।दरअसल, आज जो स्थिति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है, वह मानव के लोभ का ही परिणाम है। इसका दुष्परिणाम हमारे सामने मौसम में आए भीषण परिवर्तन और पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन के विघटन के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इससे न केवल पर्यावरण, बल्कि सामाजिक और आर्थिक ढांचा भी चरमराने लगा है। दशकों से वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और वनस्पति एवं जीवविज्ञानी यह चेतावनी दे रहे हैं कि अब हमारे पास पुरानी परिस्थितियों को पुनर्स्थापित करने के लिए बहुत कम समय बचा है।यदि देश की बात करें, तो उत्तराखंड में बीते 8-9 वर्षों के दौरान ढाई लाख से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें एक लाख से अधिक पेड़ 'ऑल वेदर रोड' परियोजना के तहत तथा शेष पेड़ पर्यटन, देहरादून से दिल्ली तक सड़क चौड़ीकरण, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और सुरंग आधारित परियोजनाओं के नाम पर काटे गए हैं। इन परियोजनाओं के चलते देवदार, बांज, राई, कैल जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ों का अस्तित्व ही मिटा दिया गया है। विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई का यह सिलसिला पूरे देश में जारी है। अमेरिका की एंइएम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में सामने आया है कि पेड़-पौधों की उपस्थिति मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। करीब 6.13 करोड़ मानसिक रोगियों पर किए गए

भूमंडलीकरण ने बदली पहनावे की संस्कृति

स्त्रियों को पुरुषों के कपड़े

शुभम चौधरी

अब जिधर नजर डालिएङ्गदपत्रों में, बसों में, सड़क पर, बाजार में, एयरपोर्ट पर, चैनल्स पर लड़कियों, स्त्रियों की प्राथमिक पसंद वे कपड़े नजर आते हैं, जिन्हें सामान्य भाषा में वैस्टर्न कहते हैं। कपड़े तो कपड़े, बाल बनाने के तौर-तरीके भी...अब जिधर नजर डालिएङ्गदपत्रों में, बसों में, सड़क पर, बाजार में, एयरपोर्ट पर, चैनल्स पर लड़कियों, स्त्रियों की प्राथमिक पसंद वे कपड़े नजर आते हैं, जिन्हें सामान्य भाषा में वैस्टर्न कहते हैं। कपड़े तो कपड़े, बाल बनाने के तौर-तरीके भी लगभग एक जैसे हैं।हाल ही में इटली के मशहूर फैशन डिजाइनर अरमानी का इक्यानवें वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह उम्र के इस पड़ाव पर भी बहुत काम करते थे। उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने फैशन की दुनिया को बदल दिया।

विश्व के मशहूर लोग जिनमें अभिनेता, अभिनेत्रियां, उद्योगपति आदि शामिल हैं, उनके लिए अरमानी के ब्रांड्स जरूरी माने जाते थे। अरमानी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने पुरुषों के कपड़े बनाने में जिन कपड़ों का इस्तेमाल किया वे महिलाओं में पसंद किए जाते थे, और महिलाओं के लिए पुरुषों द्वारा पसंद किए जाने वाले कपड़ों का उपयोग किया।उनका मशहूर उद्धरण है कि मैंने स्त्रियों को पुरुषों के कपड़े पहनना सिखा दिया। वे यह भी कहते थे कि उन्होंने पुरुषों के लिए ऐसे कपड़े तैयार किए, जिनसे उनकी छवि कुछ मासूम दिखे और स्त्रियों के लिए ऐसे कपड़े बनाए जिन्हें पहनकर वे कठोर दिखें। यानी कि उन्होंने सारी पारंपरिक छवियों को तोड़ दिया। स्त्रियों के लिए बनाए कपड़ों को वे पावर सूट कहते थे। कुल मिलाकर यह कि शक्तिशाली या एम पावर्ड वुमैन जिन्हें कहते हैं, वे खास कपड़े पहनकर ही हो सकती हैं। यह अपने उत्पाद को बेचने की एक रणनीति ही थी, जो बहुत सफल रही। आपने देखा होगा कि स्त्रियों की छवि तमाम धारावाहिकों, फिल्मों, टीवी कार्यक्रमों ने कपड़ों के आधार पर ही तय कर रखी है। इसमें वैस्टर्न पहनने और अंग्रेजी बोलने वाली लड़की ताकतवर दिखाई जाती है, दूसरे कपड़े पहनने वाली कमजोर।मशहूर लेखक मनोहरश्याम जोशी ने आज से तीस साल पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि अंग्रेज इतने लम्बे शासनकाल में चाहकर भी स्त्रियों की वेशभूषा में इतना परिवर्तन नहीं कर सके थे, जो भूमंडलीकरण ने कर दिया। धार जैसे छोटे कस्बे में दो लड़कियां मुझसे जींस पहनकर मिलने आई थीं। उनसे असहमत होने वाले कह सकते हैं कि आखिर जींस पहनने में क्या बुराई है। सचमुच कोई नहीं है। लेकिन यह भी सच है कि वस्त्रों से किसी स्त्री की ताकत को नहीं आंका जा सकता। अन्यथा अमेरिका या यूरोप में स्त्रियों के प्रति इतनी बड़ी संख्या में अपराध न होते। वहां की आबादी को देखते हुए इतने अपराध वाकई चकित करते हैं। वर्ना वे तो पश्चिमी देश ही हैं। वहां तो स्त्रियां अरसे से ऐसे कपड़े पहनती हैं, जिन्हें शक्ति का प्रतीक बताया जाता है।दुनिया में हर सत्ता चाहे वह पैसे की हो, राजनीति की हो, धन की हो, छवि के खेल से चलती है। इन छवियों को बहुत चालाकी से बनाया जाता है और किसी न किसी विमर्श से जोड़ दिया जाता है। वैस्टर्न कपड़ों को भी स्त्री विमर्श के तमाम नारों से जोड़ दिया गया। और सिर्फ कपड़ों को ही क्यों, जितने भी उत्पाद हैं, वे कहीं न कहीं ये पाठ पढ़ाते रहते हैं कि इस उत्पाद के उपयोग से ही तुम ताकतवर और आजाद स्त्री कहला सकती हो। आपको एक कपड़े धोने की मशीन का वह विज्ञापन शायद याद हो, जिसमें कहा जाता था कि तुम आजाद स्त्री हो, इस मशीन का इस्तेमाल करके अपनी आजादी का जश्न मनाओ। कारों के भी ऐसे ही विज्ञापन आते रहे हैं। अनेक उत्पादों के भी ।दरअसल, पिछले पचास सालों का दौर, पूरी दुनिया में ऐसा रहा है जहां स्त्रियों की शिक्षा बढ़ी है। वे बड़ी संख्या में नौकरीपेशा बनी हैं। उनकी वेशभूषा एकदम बदल गई है। रहन-सहन बदल गया है। इस बदले हुए रहन-सहन, जीवनशैली ने स्त्रियों के सोच को भी खूब बदला है। एक समय में स्त्री के पढ़ने-लिखने को उसके वैवाहिक जीवन से जोड़ा जाता था।

राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित राजन लाल को बीईओ ने किया सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार ने एक समर्पित शिक्षक, राजन लाल को राज्य अध्यापक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया। उनके अभिनव शिक्षण तरीकों और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पण ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिलाया है। विकास खंड का गौरव बढ़ाने के लिए चौबेपुर के खंड शिक्षा अधिकारी, आनंद कुंवर, डाइट मेंटर डॉ. विवेक सिंह और निधि कटियार ने एक विशेष समारोह में राजन लाल को अंग वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया। यह सम्मान न सिर्फ राजन लाल की मेहनत का फल है, बल्कि यह बिल्हौर क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों को भी दर्शाता है।

» चौबेपुर में किया गया समारोह का आयोजन

» राजन लाल बोले वास्तव में यह सम्मान उन बच्चों का है, जिन्होंने हमारे काम को सराहा

इस अवसर पर राजन लाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह पुरस्कार मेरा नहीं, बल्कि उन सभी छात्रों और शिक्षकों का है, जिन्होंने मेरे काम में विश्वास दिखाया। मेरा हमेशा से यही प्रयास रहा है कि हमारे बच्चों को केवल किताबी ज्ञान न मिले, बल्कि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफल हों। उन्होंने आगे कहा कि वह बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए अपने प्रयास जारी रखेंगे और हर संभव सहयोग देते रहेंगे।समारोह में, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक महासभा के प्रांतीय संयोजक अनुग्रह त्रिपाठी, एआरपी स्वर्णिमा शर्मा, एआरपी प्रतिमा कुशवाहा, प्रशांत सिंह सेंगर, पवन तिवारी, योगेंद्र कुमार, देवेश मिश्रा, मनोज कुमार, वीरेंद्र कुमार, कलीम उल्लाह, दीपक मिश्रा, विनय प्रकाश, प्रियंका, अनुभव शुक्ला, शैलेंद्र और अनूप सहित शिक्षा जगत के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने राजन लाल को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी।

शिक्षिका आरती ने कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में कानपुर को दिलाया गौरव

» बिल्हौर के प्राथमिक विद्यालय मोहद्दीनपुर द्वितीय में हैं हेड टीचर

» प्रदेश के 56 शिक्षकों को किया गया सूचीबद्ध

» 35 वाँ स्थान हासिल करके बनाया अलग मुकाम

» हिंदी दिवस से दो दिन पहले मिला सम्मान विभाग के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं

अपने स्कूल के बच्चों के साथ शिक्षिका आरती सिंह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कानपुर जनपद के बिल्हौर विकास खंड के मोहद्दीनपुर द्वितीय स्कूल की प्रधानाध्यापिका आरती सिंह ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद के तत्वाधान में लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में 35 वां पुरस्कार हासिल किया है। हिंदी दिवस से दो दिन पहले मिली यह उपलब्धि न केवल उनके विद्यालय, बल्कि पूरे जनपद के लिए एक बड़े गौरव की बात है। इसमें प्रस्तुतिकरण, भाषा शैली, समय सीमा और सहायक सामग्री के आधार पर विशेषज्ञों ने अलग अलग अंक प्रदान किए।

आरती सिंह का शिक्षा के प्रति समर्पण और कहानियों को प्रभावी ढंग से कहने की उनकी कला ने उन्हें राज्य भर के प्रतिभागियों के बीच एक विशेष स्थान दिलाया है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर के कई अनुभवी और कुशल शिक्षकों ने भाग लिया था, जिसमें 56 शिक्षकों को सूचीबद्ध किया गया और उन्हें 35 वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिभा का प्रमाण है इस सम्मान के लिए आरती सिंह को जल्द ही एक विशेष समारोह में प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन सभी शिक्षकों के लिए एक प्रेरणा है जो शिक्षण को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक कला मानते हैं और बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि जगाने के लिए नए और रचनात्मक तरीके अपनाते हैं। आरती सिंह की यह सफलता दर्शाती है कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और रचनात्मकता का कितना महत्व है। कहानी सुनाना बच्चों को सीखने की प्रक्रिया से जोड़ने का एक शक्तिशाली माध्यम है और आरती सिंह ने इस कला में अपनी निपुणता साबित की है। उनकी यह उपलब्धि कानपुर की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक उज्ज्वल उदाहरण है और भविष्य में अन्य शिक्षकों को भी ऐसे रचनात्मक प्रयासों के लिए प्रोत्साहित करेगी।

सात नवंबर से शुरू होगा मदार शरीफ का सालाना उर्स

» तैयारियों में जुटे उर्स इंतजामिया कमेटी के लोग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (मकनपुर)। सूफी संत हजरत सैय्यद बद्दीउद्दीन जिंदाशाह मदार रहमतुल्लाह अलैह का 609वां सालाना उर्स 7 से 9 नवंबर तक मकनपुर शरीफ में आयोजित होगा। तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शिरकत करेंगे। गुरुवार को उर्स इंतजामिया कमेटी की ओर से आयोजन की औपचारिक शुरुआत पोस्टर विमोचन के साथ की गई। इस अवसर पर जिम्मेदार लोगों ने कहा कि उर्स-ए-कुतबुल मदार आपसी भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम देता है। पोस्टर जारी करने के मौके पर सैय्यद फैजुल अनवर, फैजी जाफरी, निजाम हुसैन, मोहम्मद अरगून, सद्दाम हुसैन, नुसरत करीम, मुशीर अहमद, इंतिखाब आलम और सरदार अहमद सहित कई लोग मौजूद रहे।कमेटी के मुताबिक, उर्स में चादरपोशी, कव्वाली, महफिल-ए-दुआ और धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला तीनों दिन चलता रहेगा। दूर-दराज से आने वाले जायरीनो की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

वीरसेन यादव के जनसम्पर्क में दिखी जनता से गहरी नजदीकी

» भोगनीपुर विधानसभा में सपा नेता वीर सेन यादव का जोरदार स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के प्रांतीय नेता एवं भोगनीपुर विधानसभा के लोकप्रिय नेता वीर सेन यादव ने शनिवार को क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर जनता से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों के सुख-दुख में शरीक होकर उनकी समस्याओं को सुना और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

श्री यादव ने अपने जनसम्पर्क अभियान के तहत ग्राम जुनैदपुर, गौरा नगर, पुखराया देहात, हरदुआ, खिरियानपुर, चपरेठा और मूसा नगर का दौरा किया। गांव-गांव पहुंचे नेता का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया और फूल मालाओं से उनका अभिनंदन किया।जनसम्पर्क के दौरान श्री यादव के साथ सपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। इनमें पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर प्रसाद, ग्राम प्रधान धर्म सिंह यादव, कैप्टन रामशंकर प्रजापति, ठाकुर महेंद्र सिंह, प्रधान गजेंद्र प्रताप सिंह, बासुदेव यादव, रिटायर्ड प्रधानाध्यापक अखिलेश यादव, सुरेंद्र सिंह (विधानसभा उपाध्यक्ष) समेत अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

ग्रामीणों ने भरोसा जताया कि वीर सेन यादव हमेशा जनता की आवाज बनकर उनके बीच खड़े रहते हैं। वहीं श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी गरीब, किसान, नौजवान और पिछड़ों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी।

चकेरी थाने में युवक ने पुलिस अभिरक्षा में ब्लेड से काटी गर्दन

» गुरुवार को ग्रामीणों ने चोर समझकर पीटा था, हालत गंभीर

» पुलिस की लापरवाही पर फिर उठे सवाल, अस्पताल में चल रहा इलाज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पुलिस अभिरक्षा में मौत और आत्महत्या के प्रयास के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला चकेरी थाने का है, जहां शुक्रवार शाम एक युवक ने ब्लेड से अपनी गर्दन काटकर जान देने का प्रयास किया। खून से लथपथ युवक को देखकर थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के हाथ-पांव फूल गए और आनन-फानन में उसे कांशीराम अस्पताल पहुंचाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।यह वही युवक है जिसे गुरुवार को ग्रामीणों ने महाराजपुर के फत्तेपुरवा मोड़ के पास चोरी के शक में पकड़कर बेरहमी से पीट दिया था। मरणासन्न हालत में पुलिस ने उसे पहले कांशीराम अस्पताल और फिर हैलट में भर्ती कराया था। उपचार के बाद शुक्रवार को पुलिस उसे पूछताछ के लिए चकेरी थाने ले आई थी।

पूछताछ के दौरान अचानक उसने ब्लेड निकालकर अपनी गर्दन पर वार कर लिया।

महाराजपुर पुलिस की जांच में सामने आया कि युवक को पीटने की घटना एक अफवाह पर आधारित थी।

एचएल कॉलोनी निवासी अनिल कुमार मिश्रा और गंगागंज निवासी कल्लू कुशवाहा समेत चार अज्ञात मजदूरों ने मिलकर युवक को चोर बताकर ग्रामीणों को भड़काया और पिटाई कर दी। दोनों आरोपित गुप्ता फार्म हाउस में मजदूरी करते हैं। इस मामले में पुलिस ने 20 अज्ञात लोगों समेत अनिल और कल्लू पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार करीब 24 वर्षीय युवक ने पूछताछ में अपना नाम कृष्णा बताया था। उसने कुछ साथियों के बारे में जानकारी दी, लेकिन अपना घर का पता नहीं बताया। पुलिस की अभिरक्षा में युवक के जान देने के प्रयास ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिलावटी तेल का भंडाफोड़: दो फैक्ट्रियों पर छापा

» जिलाधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई, प्रयोगशाला भेजे गए सभी सैंपल

» खाद्य सुरक्षा टीम ने दी चेतावनी जांच में गड़बड़ी मिली तो होगी कड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां औद्योगिक क्षेत्र में मिलावटी खाद्य तेल की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को उपजिलाधिकारी नीलिमा यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने दो खाद्य तेल फैक्ट्रियों पर छापा मारा। इस दौरान जांच के लिए चार नमूने एकत्र कर सील कर दिए गए और उन्हें प्रयोगशाला भेजा गया।

टीम में मुख्य खाद्य निरीक्षक विनोद कुमार पांडेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र नाथ सिंह, नायब तहसीलदार विक्रम सिंह, सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय राम औतार सिंह और रनियां इंस्पेक्टर शिव नारायण सिंह शामिल थे। अधिकारियों की टीम सबसे पहले रनियां स्थित एक खाद्य तेल फैक्ट्री पहुंची और वहां से दो नमूने लिए। इसके बाद विसायकपुर में संचालित एक एडिबल ऑयल फैक्ट्री से भी दो सैंपल लिए गए।खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेंद्र नाथ सिंह ने बताया कि मिलावटी तेल की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि अगर नमूनों में मिलावट पाई गई तो संबंधित फैक्ट्रियों के खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे।इस कार्रवाई से खाद्य तेल कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी इसी तरह की छापेमारी अभियान जारी रहेंगे।

खंड शिक्षा अधिकारी संघ ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

» कैशलेस इलाज सहित अन्य मांगों के जल्द निस्तारण की उठाई मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात ।खंड शिक्षा अधिकारी संघ कानपुर देहात ने शुक्रवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी विभागीय योजनाओं और कार्यों को पूरी निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें समय से वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने पूर्व की भांति प्रत्येक माह की पहली तारीख तक वेतन भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग उठाई।संघ ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा अब तक उपलब्ध न कराए जाने, तीन वर्षों से पुस्तक ढुलाई का भुगतान न मिलने और ब्लॉक टास्क फोर्स निरीक्षण का अनुचित दबाव बनाने पर भी आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही जिन विकासखंडों में ईएमआईएस इंचार्ज और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के पद रिक्त हैं, उन्हें शीघ्र भरने की मांग की गई।संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह और मंत्री अजीत प्रताप सिंह के नेतृत्व में बीएसए को सौंपे गए ज्ञापन में विकासखंड स्तर पर संसाधन बढ़ाए जाने की भी मांग की गई।इस अवसर पर अकबरपुर बीईओ मनोज कुमार सिंह, सरवनखेड़ा बीईओ अजीत प्रताप सिंह, मैथा बीईओ सपना सिंह, रसूलाबाद बीईओ अजब सिंह, राजपुर बीईओ श्रीकृष्ण प्रेमी और मलासा बीईओ आनंद भूषण मौजूद रहे।बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने खंड शिक्षा अधिकारियों की मांगों को संज्ञान में लेते हुए समय पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 । Email: swarajindia2023@gmail.com । Mob: 7800009853, । Website: www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

निनाया गोशाला में गंदगी एडीएम ने जताई नाराजगी

» बीमार गोवंश मिला, अधिकारियों ने लगाई फटकार

» डीएम के आदेश पर गठित टीम ने परखी व्यवस्थाएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवन खेड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत निनाया स्थित गोशाला में गंदगी और लापरवाही उजागर हुई है। जिलाधिकारी कपिल सिंह के आदेश पर शुक्रवार को जांच टीम मौके पर पहुंची। टीम को परिसर में गोबर के ढेर और फैली गंदगी मिली। इस पर एडीएम न्यायिक दिग्विजय सिंह ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों को कड़ी फटकार लगाई।टीम में खंड विकास अधिकारी अकबरपुर प्रदीप कुमार, भोगनीपुर तहसीलदार प्रिया सिंह और उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी स्नेह कुमार शामिल थे। निरीक्षण के दौरान गोशाला की बाउंड्रीवॉल क्षतिग्रस्त पाई गई, जिसे तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। टीम को एक बीमार गोवंश भी मिला, जिस पर उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने उपचार की व्यवस्था कराई।एडीएम न्यायिक ने ग्राम पंचायत अधिकारी दीपक यादव को साफ-सफाई तत्काल कराने और गोबर का ढेर बाहर हटवाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पूरी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जाएगी।

करेंट की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत

» बेसमेंट में भरे पानी को निकालते समय हादसा

» डॉक्टरों ने कानपुर में मृत घोषित किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां कस्बे के कुंदनपुर स्थित एक ग्लास बिक्री की दुकान में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। दुकान के बेसमेंट में भरे बारिश के पानी को मोनो ब्लॉक पंप से निकालते समय करेंट की चपेट में आकर युवक बुरी तरह झुलस गया। आनन-फानन में परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया। बाद में कानपुर के निजी अस्पताल में युवक को मृत घोषित कर दिया गया।मृतक की पहचान थाना गजनेर के करसा गांव निवासी जनक सिंह के बेटे अखिलेश सिंह (33) के रूप में हुई है।

अखिलेश कई वर्षो से रनियां स्थित एक कांच की दुकान पर काम करता था। मृतक के चचेरे भाई शिवम चौहान ने बताया कि घटना के समय अखिलेश दुकान के बेसमेंट में पानी निकालने के लिए पंप चालू कर रहा था, तभी वह करेंट की चपेट में आ गया।घटना की जानकारी परिजन और दुकान मालिक तत्काल उसे रनियां के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से डॉक्टरों ने कानपुर रेफर किया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन कानपुर में शव का पोस्टमार्टम करा रहे हैं।

थानाध्यक्ष एस.एन. सिंह ने बताया कि फिलहाल उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रनियां में अवैध टेंपो स्टैंड से बढ़ी अराजकता

» रायपुर चौराहा, पड़ाव व प्रमुख तिराहों पर दिनभर जाम

» पुलिस की लापरवाही से चालक बेलगाम, राहगीर परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां कस्बे में जगह-जगह संचालित हो रहे अवैध टेंपो स्टैंड स्थानीय लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। रायपुर चौराहा, रनियां पड़ाव, सरवनखेड़ा रोड, किशरवल रोड तिराहा और रनियां-मैथा मार्ग पर सुबह से शाम तक जाम की स्थिति बनी रहती है। प्रशासन और पुलिस की अनदेखी के कारण टेंपो चालक दिनभर सड़क पर अराजकता फैलाए रहते हैं।लोगों का कहना है कि जिलेभर में डग्गामार वाहन चालकों पर कोई नियंत्रण नहीं है। सवारियां बिठाने की होड़ में ऑटो और ई-रिक्शा चालक बीच सड़क खड़े हो जाते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार आपत्ति जताने पर चालक मारपीट और झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।रनियां के प्रमुख मार्गों पर यातायात का हाल बेहाल है। रायपुर चौराहे, किशरवर रोड तिराहे, रनियां पड़ाव और पामा स्टेशन रोड पर वाहन चालकों की मनमानी खुलेआम दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यातायात पुलिस की ड्यूटी हटाए जाने से स्थिति और बिगड़ गई है इस संबंध में यातायात प्रभारी राम बहादुर सिंह का कहना है कि नियमित ड्यूटी लगाई जाती है और नियम तोड़ने वालों के चालान भी किए जाते हैं। यदि समस्या फिर बनी रहती है तो और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की उठ रही है मांग

राज्य कर्मचारी परिषद ने दिया शिक्षकों को समर्थन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शिक्षकों पर नियुक्ति के समय सेवा शर्तों के विपरीत टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता थोपे जाने के विरोध में अब आंदोलन को और बल मिल गया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने भी शिक्षकों के आंदोलन को नैतिक समर्थन देने का निर्णय लिया है।

शनिवार को परिषद के जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परिषद, जूनियर शिक्षक संघ के ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल होकर उनकी मांगों को मजबूती प्रदान करेगी और शिक्षकों के आंदोलन में हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी।बैठक का संचालन जिला मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह ने किया। इस दौरान मण्डलीय मंत्री अजय द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर सिंह, संप्रेक्षक मंजू रानी, संघर्ष समिति चेयरमैन सहाब सरताज, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र अवस्थी, संगठन मंत्री हरीश श्रीवास्तव, संयुक्त मंत्री मनोज झा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

परिषद के अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियुक्ति के समय तय सेवा शर्तों से हटकर टीईटी अनिवार्य करना न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि लाखों शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। परिषद हर स्तर पर शिक्षकों के साथ खड़ी रहेगी।

भारत-पाक मैच का विरोध, शुभम के परिजन बोले- पाकिस्तान के साथ मैच खेलना दुर्भाग्यपूर्ण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे बलिदान का अपमान बताया है।कानपुर में पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी के परिजनों ने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच पर विरोध जताया है। शुक्रवार को परिजनों ने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना हमले में जान गंवाने वालों का अपमान है। शुभम की पत्नी ऐशान्या ने कहा यह मैच देश विरोधी है।

हमारे पति के बलिदान को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुछ ही महीनों में भुला दिया। पिता संजय द्विवेदी ने कहा जिस देश के आतंकियों ने हमारे बेटे को धर्म पूछकर गोली मारी उसी के साथ क्रिकेट खेलना दुर्भाग्यपूर्ण है। चाचा मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि हम सभी नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच का बहिष्कार करें।

बड़ी छावनी में करोड़ों रुपयों की ज़मीन पर भू-माफ़ियाओं का कब्ज़ा

» 410 विस्वा जमीन पर बुलडोज़र के वादे पर प्रशासन बना है खामोश

» शिकायतकर्ता राजेश सिंह मानव की जान के पीछे पड़ गए भूमाफिया, जिला प्रशासन कर रहा अनदेखी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में मठ-मंदिरों की ज़मीनों पर भू-माफ़ियाओं का कब्ज़ा कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार मामला सीधे श्री रघुनाथ दास जी की बड़ी छावनी से जुड़ा है। छावनी की 410 विस्वा (अरबों रुपए कीमत) ज़मीन पर भू-माफ़ियाओं द्वारा खुलेआम कब्ज़ा कर अवैध प्लॉटिंग और बिक्री का खेल चल रहा है। शिकायत किए पखवारे भर बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होना गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुण्डे ने शिकायतकर्ता संत जगदीश दास शास्त्री के प्रतिनिधि दासानुदास और श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक राजेश सिंह मानव को भरोसा दिलाया था कि मठ-मंदिर की भूमि पर कब्ज़ा करने वालों पर बुलडोज़र चलेगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है भू-माफ़िया कब्ज़ा जमाए बैठे हैं और पीड़ित संत आज भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। राजेश सिंह का आरोप है कि मठ मंदिरों और बेशकीमती जमीनों पर भू माफियाओं प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ कार्यवाही न होने का सबसे बड़ा कारण है कि इन जमीनों में राजस्व विभाग से लेकर प्राधिकरण तक के बड़े अफसरों का पैसा लगा है। हमारी मांग है कि भूमाफ़ियाओ और अफसरों के बीच चल रही इस दुरभिसंधि की सरकार जांच कराए जिससे कि इनके सम्बन्धो का खुलासा हो सके।

राजेश सिंह मानव, शिकायतकर्ता

भू-माफिया विकास चन्द्र श्रीवास्तव, सहवाग यादव, मनीष यादव समेत अन्य पर आरोप है कि उन्होंने चकबंदी प्रावधानों की अनदेखी कर गाटा संख्या 130, 133, 134, 491, 509 और 510 की जमीनों पर जबरन कब्ज़ा कर लिया। न तो ले-आउट पास कराया गया और न ही निर्माण की कोई अनुमति, बावजूद इसके खुलेआम प्लॉटिंग और बिक्री जारी है।

शिकायतकर्ता राजेश सिंह मानव कहते हैं कि डीएम साहब ने बुलडोज़र चलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन कार्रवाई न होने से भू-माफिया अब हमारी जान के पीछे पड़े हैं।

अयोध्या की धार्मिक पीठों और मठ-मंदिरों की जमीनों पर इस तरह की अवैध प्लॉटिंग और कब्ज़ा सिर्फ कानून व्यवस्था की नाकामी ही नहीं बल्कि श्रद्धा और परंपरा पर सीधा हमला माना जा रहा है। सवाल साफ है क्या प्रशासन के बुलडोज़र सिर्फ आम जनता के लिए हैं, या माफ़ियाओं के सामने बेबस?

नेपाल में फंसे अयोध्या के 9 में से 3 श्रद्धालु सुरक्षित लौटे

अयोध्या नेपाल में भड़की हिंसा के बीच फंसे अयोध्या के श्रद्धालुओं में से तीन लोग सुरक्षित अपने घर लौट आए। इन श्रद्धालुओं सुशील राजपाल, विकास गुप्ता और अनूप सिंह को नेपालगंज मार्ग से सकुशल वापस लाया गया।श्रद्धालुओं की वापसी पर परिजनों और स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान भावुक माहौल देखने को मिला। परिजनों ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। श्रद्धालु सुशील राजपाल के भाई ने कहा जब मोदी जी पाकिस्तान से अभिनंदन को वापस ला सकते हैं, तो नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं को कैसे छोड़ सकते थे।दरअसल, नेपाल में हिंसा के बीच फंसे 9 श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के लिए अयोध्या से लगातार अपील की जा रही थी। भारत सरकार ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल 6 श्रद्धालु नेपाल में ही मौजूद हैं, हालांकि वे सुरक्षित बताए जा रहे हैं। परिजन उनकी घर वापसी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

» अयोध्या से दिनेश गुप्ता बने अध्यक्ष, जनार्दन राव महासचिव नियुक्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में फार्मासिस्ट उपस्थित रहे। संगठन के संरक्षक प्रदीप पांडे के नेतृत्व में सर्वसम्मति से दिनेश गुप्ता को अध्यक्ष चुना गया, जबकि जनार्दन राव महासचिव नियुक्त हुए। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष हिमांशु वर्मा, जिला महासचिव अभिषेक जायसवाल, जिला सचिव हरिनाथ, कोषाध्यक्ष सुशील तिवारी, मीडिया प्रभारी अजीत कुमार, तथा लीगल एडवाइजर अजीत श्रीवास्तव बने बैठक में दर्जनों फार्मासिस्टों ने सदस्यता ग्रहण की और तय किया गया कि 25 सितंबर को विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। संरक्षक प्रदीप पांडे ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और संगठन के प्रति निष्ठावान रहते हुए सभी कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। वहीं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुशील तिवारी ने कहा कि एसोसिएशन देश व प्रदेश स्तर पर फार्मासिस्टों के हित में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह फार्मासिस्टों के संघर्ष और अधिकारों की लड़ाई में सदैव अग्रणी रहेंगे। जिला महासचिव अभिषेक जायसवाल ने कहा कि संगठन में किसी भी फार्मासिस्ट का शोषण नहीं होने दिया जाएगा।मंडल अध्यक्ष राकेश यादव ने जानकारी दी कि 25 सितंबर को प्रेस क्लब अयोध्या में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंडल औषधि अनुज्ञापन अधिकारी/सहायक आयुक्त औषधि मनोज कुमार और जनपद औषधि निरीक्षक आलोक त्रिवेदी शामिल होंगे।

पीएम मोदी पहुंचे मणिपुर, 8500 करोड़ की योजनाओं की दी सौगात

» दौरे से पहले उपद्रवियों-सुरक्षाबलों में झड़प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा के बाद पहली बार पीएम मोदी राज्य के दौरे पर जा रहे हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वे चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौरे पर जाएंगे। वे यहां 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वहीं पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचंदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई।

7300 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और 1200 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

मणिपुर के मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 13 सितंबर की मणिपुर यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी चुराचांदपुर और इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन उनके मिजोरम यात्रा के बाद मणिपुर पहुंचने की संभावना है।

237 एकड़ में फैले कांगला किले के आस पास जवान तैनात

राज्य में प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर तैयारियां काफी तेजी से चल रही हैं। इंफाल में करीब 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड के आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। वहां पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य में कई बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य में महीनों जारी रही हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए।

कांगला किले का चौबीसों घंटे किया जा रहा निरीक्षण

राज्य कर्मचारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा दल कांगला किले का चौबीसों घंटे निरीक्षण कर रहे हैं और राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है। 1891 में रियासत के विलय से पहले कांगला किला तत्कालीन मणिपुरी शासकों की सत्ता का प्राचीन केंद्र हुआ करता था।

पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में क्यों खेल रहा भारतः पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को स्पष्ट किया कि ऐसे मुकाबलों से बचना संभव नहीं है, क्योंकि ये बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 का महामुकाबला खेला जाएगा, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर भारतीय प्रशंसकों ने नाराजगी जताई है। कुछ लोगों का मानना है कि पहलगाम की घटना के बाद भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान की टीम के साथ खेलने से इनकार कर देना चाहिए जबकि पूर्व कप्तान कपिल देव ने सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम से खेल पर ध्यान देने की अपील की है। इस बीच पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आगामी भारत-पाकिस्तान मैच पर बात की है।

पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को स्पष्ट किया कि ऐसे मुकाबलों से बचना संभव नहीं है, क्योंकि ये बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा, जब बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट एसीसी या आईसीसी करवाते हैं तो सभी देशों के लिए भाग लेना अनिवार्य हो जाता है। यदि कोई टीम मैच खेलने से इनकार करती है, तो उसे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ेगा या फिर अंक प्रतिद्वंद्वी टीम को दे दिए जाएंगे। लेकिन भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज न खेलने का फैसला पहले ही ले रखा है और यह तब तक जारी रहेगा जब तक पाकिस्तान आतंकवादी हमले बंद नहीं करता।